Bihar Board Class 6 Hindi Solutions Chapter 17 फसलों का त्योहार

प्रश्न-अभ्यास

पाठ से –

प्रश्न 1.
अप्पी दिदिया बुरी फँसी कैसे?
उत्तर:
दिदिया को चुड़ा-दही, खिचड़ी, तिलकुट आदि पसंद नहीं है ये सब चीज तो मकर संक्रांति के दिन खाने ही पड़ेंगे। इसलिए दिदिया बुरी फंसी।

प्रश्न 2.
संथाल के लोग सरहुल कब और कैसे मनाते हैं ?
उत्तर:
संथाल परगना क्षेत्र या उसके बाहर रहने वाले संथाली फरवरी-मार्च में सरहुल मनाते हैं।

इस दिन विशेष रूप से 'साल' के पेड़ की पूजा की जाती है। इस समय साल के वृक्ष में फूल आने लगते हैं जिसका स्वागत और शृंगार संथाल लोग करते हैं। रात भर नाचने-गाने का क्रम चलता है। अगले दिन घर-घर जाकर फूलों के पौधे लगाये जाते हैं। तीसरे दिन पूजा होती है और फिर कानों पर 'सरई' के फूल लगाय जाते हैं जो सौभाग्य-सूचक माना जाता है। चावल, मुर्गा का विशेष पकवान बनता है जिसे खाना, खिलाना उत्सव का अंग होता है। भावार्थ का कॉलम 2 भी देखें।

प्रश्न 3.
आपके यहाँ फसलों के त्योहार को किस नाम से जाना जाता है और
कैसे मनाया जाता है ?
उत्तर:
बिहार राज्य के अधिकतर भाग में फसलों का यह त्योहार खिचड़ी, मकर-संक्रान्ति, तिल-संक्रान्ति के नाम से जाना जाता है। इसके मनाये जाने का सविस्तार चर्चा भावार्थ के कॉलम । (एक) में की गयी है। छात्र इस प्रश्न के उत्तर के लिये वह अंश देखें और उनके घर या क्षेत्र में कोई और समारोह भी इस उपलक्ष में होता है तो इसकी भी चर्चा यहाँ कर दें।

प्रश्न 4.
मकर संक्रांति के दिन तिल को किस रूप में प्रयोग करते हैं ?
उत्तर:
मकर संक्रांति के दिन तिल-गुड़ चावल मिलाकर पूजा किया जाता है। उसको प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। तील का दान होता है । तिल-गुड़ या चीनी से बने तिलकुट खाया जाता है ।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 5.
स्तंभ 'क' में त्योहारों के नाम दिए गए हैं, जिसे स्तंभ 'ख' में दिए गए राज्यों के नाम से मिलान कीजिए।
प्रश्नोत्तर –

	क	ख
1.	बीहू	असम (3)
2.	पोंगल	तमिलनाडु (7)
3.	ओणम	केरल (4)
4.	मकर-संक्रांति	बिहार (6)
5.	लोहरी	पंजाब (1)
6.	सरहुल	झारखंड (2)
7.	पतंग पर्व	गुजरात (5)

प्रश्न 6.
निम्नलिखित वाक्यों के आगे कोष्ठक में सही (✓) या गलत (X) का निशान लगाइए।
प्रश्नोत्तर –
(क) तिलकुट गया से आया था। (✓)
(ख) भारत में फसलों का त्योहार अप्रैल के मध्य में मनाया जाता है । (X)
(ग) सरहुल का जश्न चार दिनों तक चलता है। (X)
(घ) पोंगल पर्व में 'साल' के पेड़ की पूजा की जाती है। (X)

पाठ से आगे –

प्रश्न 1.
इसके अतिरिक्त आपको कौन-सा त्योहार/पर्व अच्छा लगता है? इस त्योहार/पर्व को आप कैसे मनाते हैं? अपने शब्दों में लिखिए।
उदाहरण : चैत्र-रामनवमी।
उत्तर:
मुझे दीपावली अच्छी लगती है। दीपावली आने के पूर्व से ही घरों की सफाई शुरू हो जाती है। उस दिन घर-दरवाजे को सजाया जाता है। _ छोटे-छोटे दीयों, सीरीज बल्बों से घर को रोशन किया जाता है। घर में गणेश-लक्ष्मी की विधिवत पूजा की जाती है। तरह-तरह के पकवान घर में बनते हैं। मिठाइयाँ आती हैं। छोटे-छोटे बच्चे घरौंदा बनाते हैं, उसे सजाते हैं। मिट्टी के खिलौनें तथा कुल्ही-चुकिया से घरौंदे का संस्कार किया जाता है। उन मिट्टी के बर्तनों में लावा, मुढ़ी, बताशे आदि भरे जाते हैं जो प्रसाद के रूप में सबको बाँटा जाता है। फिर पटाखे, फुलझड़ियाँ, आसमान तारे, घिरनी आदि से आतिशबाजी की जाती है जिसमें घर के सभी सदस्य सम्मिलित होते हैं। यह ज्योति और आनन्द का पर्व है जो भारत में सर्वत्र मनाया जाता है।

प्रश्न 2.
हिन्दी महीनों के नाम लिखिए तथा उस महीने में मनाये जाने वाले पर्वो का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:

महीना	पर्व
चैत्र या चैत	रामनवमी

प्रश्न 3.
निम्नांकित पंक्तियाँ भोजपुरी भाषा में लिखी गई हैं। इन पंक्तियों को आप अपनी मातृभाषा में लिखिए।

(क) आज ई लोग के उठे के नइखे का? बोल जल्दी तैयार होखस"
उत्तर:
आज लगता है कि इनलोगों को जगना नहीं है- इनलोगों को कहो कि जल्दी उठकर तैयार हो जायें।

https://www.evidyarthi.in/

(ख)” जा भाग के देख, केरा के पत्ता आईल कि ना?”
उत्तर:
दौड़कर जाकर देखो कि केले का पत्ता अभी तक आया या नहीं?

बैसाख	शीतलाष्टमी, बुद्ध पूर्णिमा
जेठ या ज्येष्ठ	वट सावित्री
आषाढ़	नाग पंचमी
श्रावण	रक्षा-बन्धन
भादो	तीज, कृष्ण जन्माष्टमी, स्वतन्त्रता दिवस
आश्विन	विश्वकर्मा पूजा, विजयादशमी
कार्तिक	दीपावली, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा
अगहन	विवाह पंचमी
पौष या पूस	क्रिसमस या बड़ा दिन
माघ	मकर-संक्रान्ति, बसन्त पंचमी
फाल्गुन	महाशिवरात्रि, रंगोत्सव होली

व्याकरण –

प्रश्न 1.
नीचे दिये गये शब्दों की ध्वनि के आधार पर तीन-तीन शब्द लिखें
उत्तर:
बुराई – भलाई, अच्छाई, मिठाई
गाड़ीवान – धनवान, भगवान, पहलवान
पाठशाला – धर्मशाला अतिथिशाला, पनशाला।
मचिया – खटिया, रसिया, धनिया!
तूफान – उफान, जूबान, मेहरबान

प्रश्न 2.
इन शब्द-समूहों को वाक्य से स्पष्ट करें.
उत्तर:
(क) तिल-तिल जलना : अपनी शिकायत सुनकर वह तिल-तिल जलता रहा।
(ख) तिल रखने की जगह : उस सभा में अपार भीड़ के कारण कहीं तिल रखने की भी जगह नहीं थी।
(ग) तिल का ताड़ करना : उस बात का उसने तिल का ताड बना दिया।
(घ) तिल दान करना : मकर-संक्रान्ति के दिन तिल का दान करना चाहिये।
(ङ) तिलमिलाना : उसकी बेसिर पैर की बात सनकर वह तिलमिला गया।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/